

ख़बर संक्षेप

तार टूटा, किसान का बैल झुलसा



आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रॉसफार्मर पर बरसाई लाठियां।

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर तहसील के ग्राम पोंडी कला में बिजली विभाग के राम भरोसे चल रहे तंत्र ने एक बार फिर एक बेजुबान की बलि ले ली। खेत में दिनभर पसीना बहाकर लौट रहे एक गरीब किसान के बैल पर ट्रॉसफार्मर से झूलता जर्जर तार आ गिरा। करंट का ऐसा खौफनाक झटका लगा कि बेजुबान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद गुर्राने ग्रामीणों का सब का बांध ऐसा टूटा कि उन्होंने ट्रॉसफार्मर को ही आरोपी मानकर उस पर लाठी-डंडों की बरसात कर दी। ट्रॉसफार्मर को पीटते ग्रामीणों का यह अनोखा वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, ब्योहारी/जयसिंहनगर अंचल के ग्राम पोंडी कला निवासी किसान मनसुखलाल कुशवाहा अपने बैल के साथ खेत की जुताई कर वापस घर लौट रहा था। तभी किसान के घर के समीप लगे बिजली के ट्रॉसफार्मर से जुड़ा एक जर्जर और जर्जर हो चुका विद्युत तार अचानक टूटकर सीधे बैल पर आ गिरा। तार में इन्हें-वोल्टेज करंट दौड़ रहा था। पलक झपकते ही बेजुबान जानवर लपटों और धुएँ के बीच तड़पने लगा और देखते ही देखते उसकी सांसे थम गईं। किसान अपनी आंखों के सामने अपने खेतों के मजबूत सहारे को राख होते देखात रह गया।

बेजुबान की इस तरह हुई दर्दनाक मौत से पूरे गांव में बिजली विभाग के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश मचक उठा। ग्रामीणों का आरोप है कि वे लंबे समय से इन लाटकों और सड़ चुके तारों को बदलने की गुहार अधिकांरियों से लगा रहे थे, लेकिन कुंभकर्णी नौद में सोए बिजली महकमे ने किसी हादसे का इंतजार करना ही मुनासिब समझा। जब बाह-बार शिकायत के बाद भी अफसरों का दिल नहीं पसीजा, तो ग्रामीणों के सब का फव्वारा फूट पड़ा। गुस्से से आग बबूला किसान और ग्रामीणों ने घटनास्थल पर लगे ट्रॉसफार्मर को घेर लिया और उस पर लाठियां बरसाकर अपना गुर्राना निकाला।घटना के दौरान मौके पर मौजूद किसी ग्रामीण ने इस लाठीकांड का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि किस तरह ग्रामीण बेजुबान की मौत से आहत होकर ट्रॉसफार्मर को क्षतिग्रस्त करने पर आमदा हैं। यह वायरल वीडियो असल में बिजली विभाग की उस सुस्त और निष्कर्म कार्यप्रणाली पर सीधा तमाचा है, जो हादसों के बाद ही जगती है।स्थानीय ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित किसान को तत्काल उचित मुआवजा नहीं दिया गया और गांव के जर्जर तारों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो वे बिजली दप्तर का दौरा करेंगे। अब देखा जा रहे है कि इस वायरल वीडियो के बाद बिजली विभाग के आला अधिकारी अपनी नौद त्यागकर पीड़ित किसान को राहत पहुंचाते हैं और दोषियों पर कार्रवाई करते हैं, या फिर हर बार की तरह जान और पनाजर की आड़ लेकर मामले को ठंडे बस्ते में धकेल दिया जाएगा।

दो मंजिला छत से गिरा 65 वर्षीय बुजुर्ग मजदूर

शहडोल। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत विवरण कंपनी की बिस्सिंहपुर स्थित कॉलोनी में इन दिनों ठेकेदारों की नगमानी और सुरक्षा मामलों की धड़ियां उड़ाने का खेल चल रहा है। यहां मुनाफे की अंधी दौड़ में सुरक्षा उपकरणों की ताक पर रखकर 65 साल के बुजुर्ग मजदूरों से दो मंजिला ऊंचाव पर बिना हेलमेट-बेल्ट के काम करवाया जा रहा है। सोमवार शाम इस आपराधिक लापरवाही का शिकार होकर पाली निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग मजदूर हीरालाल महोबिया दो मंजिला इमारत की छत से सीधे नीचे आ गिरे। हादसे में बुजुर्ग के दोनों हाथ टूट गए और सिर में बुजुर्ग अदरूनी चोट के कारण दिमाग में ब्लॉडिंग शुरू हो गई। फिलहाल वे जबलपुर के मेट्रो अस्पताल के आईसीयू में जिकनी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 4 बजे हीरालाल महोबिया ठेकेदार के इश्तार पर छत पर टैन शीट लगाने का जोखिम भरा काम कर रहे थे। तभी अचानक पर फिसलने से वे सीधे नीचे आ गिरे। सवाल यह उत्पन्न है कि दो मंजिला ऊंचाई पर काम करते वक्त क्या ठेकेदार के पास सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट या सेफ्टी नेट जैसी कोई चीज नहीं थी? या फिर चंद पैसों की बखत के लिए बुजुर्ग ठेकेदारों की जिदगी को खन पर लगा दिया गया? हादसे के बाद लहलुहान हीरालाल को पहले पाली अस्पताल ले जाया गया, जहां से नाजुक हालत में शहडोल के श्रीराम अस्पताल और फिर देर शाम जबलपुर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से बिजली विभाग और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। श्रमिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि लापरवाह ठेकेदार पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए।

शहडोल के समग्र विकास को मिलेगी नई उड़ान

नगर पालिका परिषद की विशेष बैठक में 20 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर, सुविधाओं का होगा कार्याकल्प

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल को और अधिक सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाने की दिशा में नगर पालिका परिषद ने एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। मंगलवार को नगर पालिका के सभागार में आयोजित विशेष परिषद बैठक में शहर के सर्वांगीण विकास से जुड़े कुल 20 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से हरी झंडी दिखाई गई। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, पेयजल आपूर्ति सुधारने, स्वच्छता को नई धार देने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने वाले इन फैसलों से शहडोल के विकास को एक नई रफ्तार मिलना तय माना जा रहा है।

हर पहलू पर ठोस निर्णय

बैठक के दौरान शहर की मूलभूत आवश्यकताओं और अधोसंरचना विस्तार पर गहन मंथन किया गया। खनिज प्रतिष्ठान मद (डीएमएफ) के अंतर्गत कांग्रेस भवन से सब्जी मंडी तक नाली व कल्वर्ट निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई, जिससे



क्षेत्रवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी मुक्ति मिलेगी। इसके अलावा, इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक की प्रमुख सड़क के गरिमामय नामकरण के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। अमृत 2.0 योजना के तहत शहर के हर घर तक सुचारू पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी जल प्रदाय परियोजना की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया, ताकि गुणवत्तापूर्ण काम पूरा हो सके। साथ ही हरित नगरी योजना के तहत पुरानी व क्षतिग्रस्त पेयजल पाइप लाइनों को बदलकर नई लाइन बिछाने और ग्रीन स्पेस डेवलपमेंट के माध्यम से शहर को हरा-भरा बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कर्मचारी हित में लिया संवेदनशील फैसला

नगर पालिका परिषद ने शहर को साफ और सुंदर बनाए रखने वाले अपने कर्मचारियों और श्रमवीरों के प्रति भी संवेदनशीलता दिखाई। बैठक में कर्मचारियों के पेंशन भुगतान, आउटसोर्स श्रमिकों की स्वीकृति तथा मासिक एवं साप्ताहिक मास्टर रोल पर

दो शिकायतों के बाद भी गांव नहीं होने पर कलेक्टर से लगाई गुहार

शहडोल। जिले की बुढ़ार जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत केशवाही में विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं का मामला एक बार फिर सामने आया है। भाजपा मंडल केशवाही के उपाध्यक्ष कमलेश सिंह ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर आरोप लगाया है कि पंचायत में पुलिस निमार्ण और स्ट्रीट लाइट कार्य में क्रियान्व की अनदेखी कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया, लेकिन दो बार शिकायत के बावजूद अब तक कार्य नहीं कराई गई। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार कमलेश सिंह ने पहली शिकायत 20 मई 2026 को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि ग्राम पंचायत केशवाही में देवेन्द्र मिश्रा के खेत के पास बनाई जा रही पुलिस का निमार्ण स्वीकृत एस्टीमेट के विपरीत किया जा रहा है। शिकायत में कहा गया है कि निमार्ण मिजी भूमि पर करया जा रहा है, भूमि स्वामी की लिखित सहमति नहीं ली गई, पुलिस को चौड़ाई एस्टीमेट से कम रखी गई तथा गड्ढों की खुदाई और निमार्ण सामग्री को गुणवत्ता में भी अनियमितता बरती गई।

इसके बाद 29 जून 2026 को स्ट्रीट लाइट कार्य को लेकर

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष ने पंचायत में अनियमितताओं की खोली पोल



दूसरी शिकायत की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बिना नियमानुसार प्रक्रिया पूरी किए, कार्य का मूल्यांकन और मुगलान कर दिया गया। साथ ही व्यक्ति स्थानों की बजाय अन्य जगहों पर कार्य कराने और पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने की बात भी कही गई। दस्तावेजों के अनुसार, जिला पंचायत ने 6 जुलाई 2026 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी,

जनपद पंचायत बुढ़ार को पत्र भेजकर खात दिव के भीतर शिकायतों की जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद शिकायतकर्ता का आरोप है कि अब तक न तो जांच पूरी हुई और न ही किसी निष्पक्ष अधिकारी या जनप्रतिनिधि पर कार्रवाई की गई।

कमलेश सिंह ने कलेक्टर को दिए ताजा आवेदन में कहा है कि शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने से पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि शिकायतों के बावजूद जांच लंबित रहती है तो इससे दोषियों को संरक्षण मिलने की आशंका पैदा

होती है। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और सरकारी धन के दुरुपयोग की जाबजबादी तय करने की मांग की है। वहीं जिला पंचायत और जनपद पंचायत की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में अब निगाहें जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

खाकी का खौफ खत्म: डायल 112 की मौजूदगी में दबंगों का तांडव कोर्ट के आदेश को ठेगा दिखा विवादित जमीन पर कर रहे थे कब्जा

शहडोल। जिले में कानून-व्यवस्था और न्यायालय के आदेशों का किस कदर मखौल उड़ाया जा रहा है, इसका एक जीता-जागता उदाहरण सोहागपुर थाना क्षेत्र में देखने को मिला है। यहां दबंगों के हासिले इतने बुलंद हैं कि उन्हें न तो अदालत के आदेश की परवाह है और न ही पुलिस का कोई डर। हालात ये बन गए कि पुलिस (डायल 112) की आंखों के सामने ही दबंगों ने न सिर्फ न्यायालय के आदेशों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि शिकायतकर्ता के साथ जमकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दे डाली।

यह है पूरा मामला

घटना सोहागपुर थाना क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मैकी की है। शिकायतकर्ता मोहम्मद खुशींद पिता आतिफ रसूल के अनुसार, उनका अपने ही परिवार के मोहम्मद सदीद के साथ वर्ष 2019 से जमीन के पुराने विवाद चल रहा है। ग्राम मैकी की आराजी क्रमांक 836, रकबा 0.4780 हेक्टेयर इस जमीन पर मोहम्मद खुशींद के पिता, मोहम्मद सदीद और अन्य सह-खातेदारों का नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। अभी तक किसी



के नाम पर व्यक्तिगत रकबा तय नहीं हुआ है।

न्यायालय का सख्त आदेश

यह मामला वर्तमान में सिविल न्यायालय शहडोल में विचारधीन है। न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिया है कि जब तक विवाद का अंतिम निराकरण नहीं हो जाता, तब तक कोई भी पक्ष इस जमीन का उपयोग या उपभोग नहीं करेगा। इसी आदेश का सम्मान करते हुए

शिकायतकर्ता पक्ष ने इस वर्ष जमीन पर कोई खेती नहीं की।

न्यायालय की अवहेलना और पुलिस के सामने दबंगई

शिकायतकर्ता के अनुसार, शनिवार 1 अगस्त 2026 की दोपहर करीब 12 बजे मोहम्मद सदीद अपने भाई मोहम्मद फहीम, अहमद अली और खेरहा निवासी मुख्तार

के साथ मिलकर विवादित जमीन पर जबरन धान की रोपाई कर रहा था। जब इसकी भनक मोहम्मद खुशींद को लगी, तो उन्होंने कानून का सहारा लेते हुए तत्काल डायल 112 को मौके पर बुला लिया। पुलिस के पहुंचने के बाद खुशींद, उनके भाई मुजफ्फर और रफत ने आरोपियों को धान की रोपाई करने और कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने से मना किया।

वर्दी के सामने दहशत का खेल

कायदे से पुलिस की मौजूदगी देखकर किसी भी अपराधी के पसीने छूट जाने चाहिए, लेकिन यहां नजारा बिल्कुल उल्टा था। पुलिस टीम सामने खड़ी थी और दबंग मोहम्मद सदीद व उसके साथी बिना किसी खौफ के शिकायतकर्ताओं पर टूट पड़े। आरोपियों ने पुलिस के सामने ही गालियां दीं। विवाद करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। सर्रेआम जान से मारने की धमकियां दीं। उठ रहे हैं गंभीर सवालइस घटना ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

झमाझम बारिश से राहत के साथ बरसी आफत, सड़के बनीं दरिया, नालो-नालियों की खुली पोल

शहडोल। आसमान में बादलों की गड़वाड़ाहट और फिर मूसलाधार बारिश शुरू हुई , मंगलवार की शाम जैसे ही बदरा बरसे, शहडोल शहर की सूरत ही बदल गई। कई दिनों से जारी भीषण उमस और चिपचिपी गर्मी से जूझ रहे लोगों को इस झमाझम बौछार ने बड़ी राहत तो दी, लेकिन कुछ ही देर में नगर पालिका के जल निकासी के खोखले दावों की हवा भी निकालकर रख दी। बारिश राहत तो लाई, पर साथ में अव्यवस्थाओं की आफत भी बहा लाई। शहर में देखते ही देखते प्रमुख मार्ग तालाब में तब्दील हो गए। निकासी का माफूल इंतजाम न होने के कारण बारिश का पानी लोगों के घरों और दुकानों में घुस गया। गिरते इलाकों की हालत खरबसे ज्यादा बदतर रही, जहां जलभराव के चलते सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन आधे से ज्यादा डूब गए। नाले-नालियों के उफान पर आने से गंदा पानी बस्तियों में फैल गया, जिससे लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सड़कों पर लबालब भरे पानी के बीच सबसे ज्यादा



हुई। नन्हें-मुन्ने बच्चे और आम लोग जान जोखिम में डालकर घुटने तक भरे पानी से गुजरने को मजबूर दिखे। कई जगह जलभराव के कारण गाड़ियां बंद हो गईं, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और यातायात बुरी तरह चरमरा गया।

तबाही के मंजर के बीच इस बारिश का दूसरा

सुखद पहलू भी सामने आया। लंबे समय से बारिश

का इंतजार कर रहे अकबताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो यह झमाझम बारिश खरीफ फसलों के लिए किसी सजीवनी से कम नहीं है। खेतों में नमी लौटने से अब कृषि कार्यों में तेजी आएगी, जिससे किसान राहत की सांस ले रहे हैं।

भू-अभिलेख कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक, 4 अगस्त 2026 तक जिले में औसतन 457.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी है। हालांकि आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले वर्ष इसी अवधि 4 अगस्त तक जिले में रिकॉर्ड 755.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। यानी इस साल अब तक औसतन करीब 298 किमी कम पानी गिरा है। बारिश कम होने के बावजूद महज कुछ घंटों की बरसात में जिस तरह शहर डूबने की नाबत आ गई, उसके प्रशासनिक अमले की मुस्तेदी और नपाा की प्री-नमानसुन सफाई व्यवस्था की पोल पूरी तरह से खोल दी है।

शहडोल। पीडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल द्वारा 8 अगस्त 2026 से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के समय में संशोधन किया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अपरिहार्य कारणों से परीक्षा का समय परिवर्तित किया गया है। पूर्व निर्धारित समय दोपहर 12 बजे से 3 बजे के स्थान पर अब परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह निर्णय विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लिया गया है तथा विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, परिसर प्रमारियों, परीक्षा केन्द्रध्यक्ष तथा विद्यार्थियों को संशोधित समय-सारिणी के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

जनसुनवाई में सुनी गई 138 आवेदकों की समस्याएं



उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर दराज से आए 138 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया तथा विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सुखलाल रैदास ग्राम पथरहठा ने आवास सर्वे सूची में नाम होने के बाद भी अपात्र किए जाने, मुन्ना ग्राम दमोय ने तालाब योजना का लाभ दिलाने, नत्थू कोल ग्राम दमोय ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, दीन दयाल साहू बडछड ने सीमांकन कराने, कपसी रैदासन ग्राम अमहा ने वृध्दावस्था एक साल से नहीं मिलने, विमला बाई ग्राम पथरहठा ने विधवा पेंशन दिलाने, शारदा देवी लोढा ने विद्युत कनेक्शन दिलाने, विनोदय सुभाषगंज ने गरीबी रेखा से नाम जोड़ने, राम भजन ग्राम कुदरी ने बिजली बिल मे सुधार किए जाने, तम्मा धनवाही ग्राम ने पट्टा दिलाने, बिहारी यादव ग्राम बडवार ने सरपंच व्दारा मजदूरी का भुगतान नहीं किए जाने संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिटी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम गोदाम का निरीक्षण



उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जिला मुख्यालय स्थित ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) गोदाम का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने तथा गोदाम की सुरक्षा एवं रिकॉर्ड संधारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, निर्वाचन सुपरवाइजर हरिशंकर झारिया उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष का भ्रमण कार्यक्रम

उमरिया। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मोहन नागर एक दिवसीय भ्रमण पर 5 अगस्त को उमरिया आयेंगे, श्री नागर प्रातः 9 बजे जबलपुर से उमरिया के लिए प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे उमरिया पहुंचेंगे जहां नवांकुर संस्थाओं एवं मेंटर्स की बैठक में भाग लेने के पश्चात दोपहर 3 बजे उमरिया से चित्रकूट सतना के लिए प्रस्थान करेंगे।

सावन के प्रथम सोमवार पर जमुना कॉलोनी में 51 परिवारों का सामूहिक रुद्राभिषेक सम्पन्न



विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

भालूमाड़ा। जिले के जमुना कॉलोनी स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार के शुभ अवसर पर करौली शंकर महादेव दरबार शंकर सेना, जिला अनूपपुर के तत्वावधान में 51 परिवारों द्वारा भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से रुद्राभिषेक, पूजन एवं शिव आराधना की गई। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने रोग मुक्त शोक मुक्त भारत के पावन संकल्प के साथ राष्ट्र, समाज एवं समस्त मानवता के

कल्याण, सुख, शांति, समृद्धि और विश्व मंगल की प्रार्थना की। इस ऐतिहासिक आयोजन का नेतृत्व शंकर सेना जिला अध्यक्ष राजेश सिंह ने किया। आयोजकों के अनुसार जमुना-कोतमा क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े स्तर पर 51 परिवारों के सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया, जिसे श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सहयोग एवं उत्साह प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह, नगर परिषद डूमर कछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील चौरसिया, शंकर सेना की संभागीय अध्यक्ष हनी सुनील चौरसिया, भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, पूर्व नपा अध्यक्ष सुमन राजू गुप्ता, भाजपा नेता धीरेन्द्र सिंह, वार्ड क्रमांक 03 की पापंद सविता रूपेश सिंह, अजय द्विवेदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश चंद्र शर्मा, डॉ. आशीष, पत्रकार दिवाकर विश्वकर्मा, मनोज सिंह, संजय चौरसिया सहित सचिन जायसवाल एवं विकास जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। धार्मिक अनुष्ठान के समापन के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

मिट्टी को मुरुम बताकर कर दिया लाखों का खेल

ग्राम पंचायत पतौर बनी भ्रष्टाचार का सुरक्षित अड्डा

निर्माण एजेंसी का बोर्ड गायब



मानपुर। विकास के बड़े-बड़े दावों की धज्जियां उड़ती जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत पतौर इन दिनों भ्रष्टाचार की मॉडल पंचायत बनकर उमर रही है। आलम यह है कि यहां विकास के नाम पर सरकारी बजट को ठिकाने लगाने का हुनर चरम पर है।

पंचायत में चल रहे और पूरे हो चुके निर्माण कार्यों में नियम-कायदों की सरेआम बलि चढ़ाई जा रही है, लेकिन जिम्मेदार सरपंच, सचिव और इंजीनियर सब ठीक है का चश्मा पहनकर चैन की नींद सो रहे हैं।

सरकारी बोर्ड गायब

ग्राम पंचायत पतौर में हाल ही में सीसी रोड का निर्माण कराया गया। नियम तो यह कहता है कि

निर्माण स्थल पर निर्माण एजेंसी का सूचना बोर्ड (सूचना पटल) होना चाहिए, जिससे जनता को पता चल सके कि सड़क कहाँ से कहाँ तक बनी है, लागत कितनी है, मद कौन सा है और एजेंसी कौन है, लेकिन पतौर में यह बोर्ड गायब है। जाहिर है, जब बोर्ड लगेगा ही नहीं तो आम जनता को बजट का पता कैसे चलेगा? पारदर्शी शासन की धज्जियां उड़ते हुए इस बोर्ड को गायब रखना साफ इशारा करता है कि दाल में

काला नहीं, पूरी दाल ही काली है।

मिट्टी डाली और बिल कट गया मुरुम का

पंचायत के कलाकारों की कलाबाज़ी यहाँ खत्म नहीं होती। ग्राम पंचायत स्थित विश्राम सिंह के घर के पास थोड़ा-बहुत मिट्टी का भराव कराया गया और कागजों पर उसे उच्च गुणवत्ता वाली मुरुम दर्शाकर शासकीय राशि का आहरण कर लिया

गया। मज्जेदार बात यह है कि अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिले में मुरुम की कोई वेध खदान तक संचालित नहीं है, फिर पतौर पंचायत के पास यह जाड़ुई मुरुम कहाँ से आ ई ? जाहिर है, सरपंच, सचिव और उपयंत्री की त्रिमूर्ति ने मिट्टी पर मुरुम का ठप्पा लगाकर सरकारी खजाने को चपत लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

4 महीने से बन रहा नवीन विद्यालय कक्ष

शिक्षा के मंदिर को भी इन भ्रष्टाचारियों ने अपनी कमाई का जरिया बना लिया है। पतौर स्थित विद्यालय के नवीन भवन/कक्ष का निर्माण पिछले 4 महीनों से कछुआ गति से चल रहा है, जो आज तक अधूरा है। इतना ही नहीं, निर्माण कार्य में बिना टीपी (ट्रांसपोर्ट परमिट) की अवैध रेत और बेहद घटिया क्वालिटी की सीमेंट का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। बच्चों के भविष्य और

सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हुए यह घटिया निर्माण कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है।

साहब ! कागजों से बाहर निकलिए



स्थानीय ग्रामीणों और प्रबुद्ध

नागरिकों में इस खुली लूट को लेकर आक्रोश व्याप्त है। जनता

अब सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक शासकीय राशि की इस तरह बंदरबांट होती रहेगी? ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से मांग की है कि ग्राम पंचायत पतौर में हुए और वर्तमान में जारी सभी निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि मामले की ईमानदारी से ज़मीनी जांच हो जाए, तो पतौर के इस भ्रष्टाचार के खेल में शामिल सरपंच, सचिव और इंजीनियर की कलाई खुलना तय है। अब देखना यह है कि प्रशासन इन कागजी शूरवीरों पर क्या कार्रवाई करता है या मामला ठंडे बस्ते में ही दबा रह जाएगा।

ताश की बाजी पड़ी भारी, रामनगर पुलिस ने छह जुआरियों को दबोचा



दो बाइक समेत 1.12 लाख का मशरूका जब्त

राजनगर। जिले में जुआ-सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुए के फड़ पर दबिश देकर छह जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से नकदी, ताश के पत्ते तथा दो मोटरसाइकिल समेत कुल 1.12 लाख से अधिक का मशरूका जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराब के निदेशान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के

गिरफ्तार आरोपियों में अजय कुमार चौधरी (24), राजाराम चौधरी (38), श्रवण कुमार गुप्ता (45), राजकुमार चौधरी (48) एवं सुरेंद्र चौधरी (44) सहित छह लोग शामिल हैं। सभी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 228/26 के तहत सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस ने जपती एवं तलाशी की पूरी कार्रवाई नियमानुसार कराते हुए उसकी वीडियोग्राफी भी कराई। अनूपपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सके।

बाबाधाम में जलामिषेक कर लौटे शिवभक्तों का कोतमा में स्वागत

कोतमा। सावन माह के प्रथम सोमवार पर नगर में शिवभक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। बाबाधाम में भगवान बैद्यनाथ का जलामिषेक कर लौटे नगर के आधा दर्जन से अधिक शिवभक्तों का सोमवार को कोतमा आगमन पर परिजनों, मित्रों एवं श्रद्धालुओं ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। नगर के संजय गुप्ता, जागेश सिंह, श्यामू सिंह, अमित गुप्ता, शंकर रजक, दीपक विश्वकर्मा एवं मंजीत गोस्वामी सहित शिवभक्तों का जत्था 30 जुलाई को बिहार के सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर लगभग 120 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा पर निकला था। तीन दिनों की कठिन एवं श्रद्धापूर्ण यात्रा पूरी करने के बाद सभी श्रद्धालु झारखंड स्थित पावन बाबाधाम पहुंचे, जहां भगवान बाबा बैद्यनाथ का विधि-विधान से जलामिषेक कर पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं ने करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित वासुकीनाथ धाम पहुंचकर भी भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सोमवार को नगर लौटने पर सभी कांवड़ियों सबसे पहले धर्मशाला मंदिर पहुंचे, जहां भगवान शिव के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इसके बाद नगरवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नगर के विभिन्न मार्गों से निकले श्रद्धालुओं का कई स्थानों पर पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। सावन के प्रथम सोमवार पर पूरे नगर में शिवभक्ति का माहौल बना रहा। मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलामिषेक एवं पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।



पूर्व में कई जापन व विधायक की अनुशांसा के बाद भी नहीं मिला रोजगार

ग्राम बकही के बेरोजगार युवाओं का धरना जारी, भाजपा पदाधिकारी पहुंचे धरना स्थल एसडीएम से फोन पर की चर्चा, मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

अनूपपुर। ग्राम पंचायत बकही के स्थानीय बेरोजगार युवाओं द्वारा शारदा ओसोपम में कार्यरत आर के अर्थ रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड में स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता एवं अनुभव के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराए जाने की मांग को लेकर 1 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। धरने में शामिल ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना प्रारंभ होने के समय कंपनी द्वारा स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक



उस पर अमल नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में कई बार कंपनी प्रबंधन एवं प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य

जैतहरी सत्यनारायण (फुककू) सोनी ने भी 13 जुलाई 2026 को कंपनी प्रबंधन को पत्र लिखकर स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने की मांग की थी। उक्त पत्र की प्रतिलिपि सांसद, विधायक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग सहित संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई थी। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय विधायक द्वारा भी कंपनी को स्थानीय युवाओं के हित में आवश्यक कार्रवाई करने हेतु अनुशांसा की गई, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। धरना स्थल पर पहुंचकर भाजपा पदाधिकारियों ने ग्रामीणों एवं बेरोजगार युवाओं का समर्थन किया। इस दौरान अनूपपुर एसडीएम से दूरभाष पर चर्चा कर मांगों से अवगत कराया गया तथा कंपनी प्रबंधन से तत्काल सकारात्मक पहल कराने का आग्रह किया गया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे किसी

बाहरी व्यक्ति का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने क्षेत्र के योग्य और बेरोजगार युवाओं को रोजगार में उचित प्राथमिकता दिए जाने की मांग कर रहे हैं। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि यदि आर के अर्थ रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शीघ्र ही स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता एवं अनुभव के अनुरूप रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया, तो पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मिलकर आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप देने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन एवं प्रशासन की होगी। धरना स्थल पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर, भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य जैतहरी सत्यनारायण (फुककू) सोनी, भाजयुमो जिला महामंत्री मनीष तिवारी, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रवि दुबे, मंडल मंत्री सुनीत सिंह, संतोष बैगा, नरेश कोल सहित ग्राम बकही के बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कम्प्यूटर शिक्षा के नाम पर ठगे जा रहे विद्यार्थी
ब्यूहारी। नगर के अंतर्गत कुछ ऐसे कम्प्यूटर कॉलेज चल रहे हैं जिनकी मान्यता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं ऐसे कम्प्यूटर कॉलेज छात्रों का भविष्य बर्बाद कर देते हैं क्योंकि वह किसी यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त नहीं रहती और बाद में विद्यार्थी जब उनसे पढ़ाई करने के बाद निकलते हैं तो उनको कई नौकरी नहीं मिलती सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संस्थान ब्यूहारी- में तीन ही है लेकिन कई कम्प्यूटर कॉलेज अपने आप को मान्यता प्राप्त बात कर छात्रों को ठगने का काम कर रहे हैं हासिल जानकारी के अनुसार मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से एक वर्जित डिप्लोमा कोर्स करने पर 12 से 13000 लगते हैं क्योंकि यूनिवर्सिटी की ही 7000 लेकिन कॉपी कम्प्यूटर संचालक 7000 में 1 साल का डिप्लोमा करवा देते और ऐसे कॉलेज हैं जो मान्यता प्राप्त नहीं है बच्चों को अपने आप पढ़ते हैं लेकिन एडमिशन दूसरे जगह देते हैं कुछ कॉलेज सिर्फ एक कमरे में चल रहे हैं जिससे छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है उच्च शिक्षा विभाग भी कम्प्यूटर कॉलेज की जांच ना करके हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है अब देखा जा रहा है समाचार प्रकाशन की बात प्रशासन इसको कितनी गंभीरता से लेता है और ब्यूहारी क्षेत्र में संचालित कम्प्यूटर कॉलेजों की जांच कब तक में होती है।

4 करोड़ की सड़क चार साल में उखड़ी, पूर्व नपा अध्यक्ष हंसराज तनवर ने SECL को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

क्या किसी की मौत के बाद जागेगा प्रबंधन?

राजेंद्रा गेट से करकटी तक गहरे गड्ढों से हादसों का खतरा, सिक्वोरिटी डिपॉजिट से मरम्मत कराने और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की मांग

धनपुरी। राजेंद्रा गेट, पेट्रोल पंप सरईकापा से करकटी तक जाने वाली सड़क की बहाल स्थिति को लेकर एक बार फिर जनक्रोश सामने आया है। करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह सड़क चार वर्ष के भीतर ही जगह-जगह उखड़ चुकी है। बरसात के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई दिखाई नहीं देती, जिससे हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। इस मुद्दे पर नगर पालिका परिषद धनपुरी के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता हंसराज तनवर ने SECL प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

तनवर ने कहा कि सड़क निर्माण करने वाला ठेकेदार अपना भुगतान लेकर जा चुका है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव की जिम्मेदारी अधूरी छोड़ दी गई। उनके अनुसार ठेकेदार की 10 से 15 लाख रुपए की सिक्वोरिटी डिपॉजिट (एसडी) आज भी प्रबंधन के पास सुरक्षित है। ऐसे में उसी राशि से तत्काल गड्ढों की मरम्मत कराई जा सकती है। उन्होंने कहा, रसिक्वोरिटी डिपॉजिट का उद्देश्य ही यह होता है कि यदि ठेकेदार काम में



लापरवाही करे तो उस राशि से आवश्यक मरम्मत कराई जा सके। केवल यह कहना कि ठेकेदार नहीं सुन रहा, जिम्मेदारी से बचना है। यदि वह निर्देशों का पालन नहीं करता तो उसे ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए।

क्या किसी राहगीर की मौत का इंतजार है?

पूर्व नपा अध्यक्ष ने तीखे शब्दों में कहा, अब क्या कालरी प्रबंधन तब जागेगा, जब किसी राहगीर की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाएगी? आए दिन लोग गिर रहे हैं, वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं,

लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बरसात में सड़क पर बने गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा बन गया है। स्थानीय लोगों में भी लगातार नाराजगी बढ़ रही है।

7 दिन की चेतावनी, फिर होगा चक्काजाम

हंसराज तनवर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर सड़क की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो करकटी चौराहे के नागरिकों के साथ



मिलकर चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी सड़क की बहाली के खिलाफ आंदोलन हुआ था, जिसके बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से मरम्मत करानी पड़ी थी।

जनप्रतिनिधियों पर भी उठाए सवाल

तनवर ने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर हालत पर कोई ठोस पहल नहीं हो रही। उनका कहना है कि जनता की सुरक्षा किसी भी विकास कार्य से अधिक महत्वपूर्ण

है और सड़क की तत्काल मरम्मत कराना प्रशासन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

अब निगाहें SECL प्रबंधन पर

लगातार बढ़ते हादसों के खतरे और आंदोलन की चेतावनी के बीच अब लोगों की नजर SECL प्रबंधन पर है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसे में जनहित और जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

मझौली में संदेह की आग में जला युवक, मौत के बाद उपजा उबाल

परिजनों का गंभीर आरोप, पेट्रोल छिड़ककर कमरे में लगा दी आग

उमरिया। जिले के मानपुर थाना क्षेत्र का ग्राम मझौली इन दिनों एक खोफनाक और रूढ़ कंपा देने वाली घटना को लेकर सुर्खियों में है। यहां एक युवक की जलने से हुई संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। कागजों में यह मामला भले ही पुलिस के लिए महज एक जांच का विषय बना बैठा हो, लेकिन परिजनों द्वारा लगाए जा रहे संगीन आरोपों ने प्रशासनिक दावों और पुलिसिया तपस्वी की हवा निकाल कर रख दी है। परिजन इसे साफ तौर पर सोची-समझी साजिश के तहत पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का जघन्य हत्याकांड कार्र दे रहे हैं, वहीं पुलिस अब भी जांच जारी है के पारंपरिक जुमले के पीछे खड़ी नजर आ रही है।

छिड़का पेट्रोल और जला दिया जिंदा!

शिकायतकर्ता अशोक केवट द्वारा पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए शिकायती पत्र में जो आपबीती बयान की गई है, वह किसी के भी रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है। आरोप के



मुताबिक, बीती 16 जुलाई की देर रात करीब 11 बजे साजिश के तहत ग्राम मझौली निवासी की विधा बाई, ग्राम बड़ार निवासी पंकज साहू और उसके दो अन्य साथियों ने उसके भाई कृष्ण कुमार केवट को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उस पर अंधाधुंध पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया गया। हैवानियत यहीं खत्म नहीं हुई, आरोपी युवक को तड़पता छोड़कर कमरे का कुंडा बाहर से बंद कर रफूचक्कर हो गए।

अस्पतालों के चक्कर काटते-काटते टूट गई सांसें

आग की लपटों में घिरा कृष्ण कुमार जब जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा था, तब

परिजनों ने डायल-112 को सूचना दी। करीब 90 प्रतिशत तक झुलस चुके कृष्ण कुमार की हालत बेहद नाजुक थी। उसे पहले शहडोल जिला अस्पताल, फिर मेडिकल कॉलेज शहडोल, उसके बाद जबलपुर और अंततः बिलासपुर मेडिकल कॉलेज भागमभाग में रेफर किया गया, लेकिन जिंदगी की इस जंग में सिस्टम और किस्मत दोनों हार गए। आखिरकार 21 जुलाई को बिलासपुर में इलाज के दौरान उसकी सांसें थम गईं।

पुलिस का वही पुराना और घिसा-पिटा राग

इतनी बड़ी वारदात और परिजनों के सीधे तौर पर नामजद आरोपों के बावजूद पुलिस की

चाल कछुए जैसी बनी हुई है। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा का कहना है कि मृतक ने स्वयं आग लगाई है या उसे आग लगाई गई है, यह जांच का विषय है। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है, जो भी तथ्य आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई होगी। अब सवाल यह उठता है कि जब परिजन स्पष्ट तौर पर आरोपियों के नाम उजागर कर रहे हैं, तो फिर खाकी को तथ्य तलाशने में इतना वक्त क्यों लग रहा है? क्या खाकी किसी के इशारे पर मामले को लोपापोती की तरफ ले जाने का इंतजार कर रही है?

इंसाफ मिलेगा या फाइलों में दफन हो जाएगी मौत

इस अतिसंवेदनशील और रूढ़ कंपा देने वाले मामले को लेकर पूरे अंचल में भारी आक्रोश और तनाव व्याप्त है। स्थानीय जनता अब खुलकर सवाल पूछ रही है कि आखिर नामजद आरोपियों पर शिकंजा कसने में इतनी ढील क्यों बरती जा रही है? क्या पुलिस की सुस्त तपस्वी से आरोपियों को साक्ष्य मिटाने का मौका नहीं मिल रहा? बहरहाल, अब देखा जा रहा कि उमरिया पुलिस कब नींद से जागती है और कब इन कथित कागिलों की कलाई खुलती है, या फिर हर बार की तरह यह केस भी जांच जारी है की मुहर के नीचे फाइलों में दफन होकर रह जाएगा।

मंडला मग्न से ब्योहारी सीधी वाया प्रयागराज उ. प्र. नई रेल लाइन निर्माण की मांग पत्र सांसद सीधी व रेल मंत्री को दिया गया

ब्यूहारी। सामाजिक कार्यकर्ता व राजनीतिक दल साथ ही व्यापारी संघ के द्वारा मंडला (मध्यप्रदेश) शहडोल जिले के ब्योहारी सीधी वाया प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के नई रेल लाइन निर्माण के लिए मांग सांसद व रेल मंत्री को दिया गया है* यह है कि मंडला (मध्यप्रदेश) से प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) रेल लाइन निर्माण से दो राज्यों में आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जैसा कि मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के निवास करते हैं जिनको रेल लाइन निर्माण होने पर प्रयागराज पहुंचना सीधा व सुगम होगा और नई रेल लाइन निर्माण से आवागमन में सुविधा होगी।

क्रमशः: मुख्य बिंदु है 1- यह है कि मध्यप्रदेश से मंडला , डिंडोरी , अनुपपुर , से शहडोल , सीधी मऊगंज जिला होते हुए उत्तर प्रदेश के कोरांव से प्रयागराज तक नई रेल लाइन निर्माण होने से इन क्षेत्रों का बिकास होगा* 2- *यह कि मंडला मध्यप्रदेश से प्रयागराज उत्तर प्रदेश नई रेल लाइन निर्माण होने से मध्यप्रदेश के अमरकंटक में तीन नदियों का उदगम माईकल के है नर्मदा मां तीर्थ स्थल है और प्रयागराज तीन नदियों का संगम है इस क्षेत्र में अधिकांश आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है उनको धार्मिक स्थल तक पहुंचने आसानी होगी*

3- *यह कि मंडला मध्यप्रदेश से प्रयागराज उत्तर प्रदेश रेल लाइन निर्माण होने से मंडला, डिंडोरी, अनुपपुर शहडोल जयसिंहनगर ब्यूहारी सीधी मऊगंज कोरांव , से प्रयागराज उत्तर प्रदेश आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से मजदूर मजदूरी करने मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से लोग प्रयागराज जाते उन्हें रेल लाइन निर्माण होने से सरल व सुगम सुविधा मिल सकेगी* 4- *यह कि मध्यप्रदेश के मंडला जिले से प्रयागराज उत्तर प्रदेश के बीच नई रेल लाइन बन जाने से अमरकंटक तीर्थ स्थल में महाशिवरात्रि पर्व पर मेला व प्रयागराज में माघ मेला लगता है वहां क्षेत्रों कि जनता को पहुंचने में आवागमन सुविधा होगी* 5- *यह कि मध्यप्रदेश के मंडला से छत्तीसगढ़ के पेन्ड्रा रोड अनुपपुर , शहडोल ब्यूहारी सीधी मऊगंज उत्तर प्रदेश के कोरांव से प्रयागराज तक नई रेल लाइन बन जाने से व्यापार के दृष्टिकोण से तीनों राज्यों का व्यापार बढ़ जाएगा छोटे बड़े माल भाड़े आने जाने में भी सीधा सुविधा होगी* 6 - *यह कि मध्यप्रदेश मंडला से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज नई रेल लाइन का निर्माण होने शहडोल संभाग में अनुपपुर जिला में अमरकंटक तीनों नदियों

उदगम व नर्मदा मां तीर्थ स्थल, उमारिया जिला के बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान व ब्यूहारी (देवलौद में बाणसागर परियोजना डैम) साथ ही सीधी जिले में दुबरी संजय अभयारण्य रेल लाइन निर्माण होने पर यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है*7- *यह कि मध्यप्रदेश के मंडला से छत्तीसगढ़ होते हुए प्रयागराज रेल लाइन निर्माण होने से यहां पर रोजगार बढ़ाने मुख्य बिंदु होगा और औद्योगिक लगता तो अवश्य लोगों कि गरीबी व बेरोजगारी दूर होगी*8 - *यह कि मंडला मध्यप्रदेश व पेन्ड्रा रोड छत्तीसगढ़ साथ ही प्रयागराज उत्तर प्रदेश के बीच नई रेल लाईन बन जाने शहडोल संभाग में पर्याप्त पर्यटन स्थल व बाणसागर परियोजना डैम अमरकंटक धार्मिक स्थल साथ ही उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में तीन नदियों का गंगा यमुना सरस्वती संगम माघ मास का मेला तक पहुंचने के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लिए सुगम होगा* ब्यूहारी नगर से राजनीतिक दलों व्यापारी संघ के विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों ने मांग पत्र सौंपा है रेल मंत्री जी व शहडोल जिले साथ ही सीधी जिले के सांसद के नाम मांग दिया गया है *अमरेन्द्र जी कोई रेल लाइन लगा देंगे*

नशामुक्ति शपथ एव जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज विजयराघवगढ़

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित स्वच्छता पर्व के अंतर्गत नवांकुर संस्था राहत समर्पण सेवा समिति विजयराघवगढ़ द्वारा ग्राम नन्हवारा कला में नशामुक्ति शपथ एवं स्वच्छता जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता स्वास्थ्य पर्यावरण संरक्षण एवं नशामुक्त समाज के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों युवाओं एवं महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में स्वाहा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सक्रिय

सहभागिता निभाई। समूह की पूजा बर्मन दुर्गा बर्मन सहित अन्य महिलाओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। वहीं ग्रामीण युवाओं ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया। इस अवसर पर अजीत चक्रवर्ती गणेश कुमार बर्मन शारदा प्रसाद साहू सुमित यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से नशामुक्ति शपथ लेते हुए स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार मित्रों एवं समाज को भी नशामुक्ति के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पर्व के अंतर्गत संचालित गतिविधियों जैसे स्वच्छता अभियान एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण किया गया।

कांग्रेस पार्टी ने मनाया दतिया जीत का जश्न

ब्यूहारी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा दतिया विधानसभा के चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद विजय रैली निकाली गई और मेलोडी टॉफी बताकर मुंह मीठा किया पटाखे फोड़े गए संगठन महासचिव विनोद ताप्रकार ने कहा कि पूरे देश से भाजपा के जाने का दिन आवाज चुका है अब भाजपा हर राज्य में हारती जाएगी लोकसभा चुनाव भी हारेगी 2029 में राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष, एवं दो दर्जन कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।



विश्व स्तनपान सप्ताह: नवजात के लिए संजीवनी है मां का पहला पीला दूध, आंगनबाड़ी में दी गई जानकारी



बुढ़ार। जिला कार्यक्रम अधिकारी के दिशा-निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास परियोजना बुढ़ार के अंतर्गत 1 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से गर्भवती, धात्री माताओं और उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व व स्वास्थ्य लाभों से अवगत कराया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र वाई क्रमांक 3 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शोभा नामदेव की अगुवाई में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माताओं को जानकारी देते हुए बताया

गया कि शिशु को जन्म से लेकर शुरूआती छह माह तक केवल और केवल मां का दूध ही पिलाना चाहिए। मां का दूध नवजात शिशु के लिए सर्वोत्तम, सुरक्षित और संपूर्ण आहार है।

बीमारियों से बचाता है कोलोस्ट्रम

कार्यकर्ता श्रीमती नामदेव ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शिशु के जन्म के तुरंत बाद मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य पिलाना चाहिए। इसमें प्रचुर मात्रा में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तत्व (एंटीबॉडीज) होते हैं, जो बच्चे को विभिन्न प्रकार के संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताओं से फैलाई जा रही जागरूकता

सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में वि्वज प्रतियोगिता, रंगोली और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन कर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम में वाई की बड़ी संख्या में महिलाओं और धात्री माताओं ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।



खबर संक्षेप

6.355 किलो गांजा के साथ उड़ीसा का तस्कर गिरफ्तार, सफ़्ताई नेटवर्क की जांच शुरू

अनूपपुर। जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए उड़ीसा के एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6 किलो 355 ग्राम अवैध गांजा, एक मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस का मानना है कि आरोपी जिले में गांजे की खेप पहुंचाने आया था। अब उससे पृष्ठताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि यह खेप किसके लिए लाई गई थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। 3 अगस्त को कोतवाली पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति छुलहा रेलवे स्टेशन की ओर से हल्के गुलाबी रंग का ट्रॉली बैग लेकर अनूपपुर बस्ती की तरफ आ रहा है। सूचना के अनुसार उसने नीले रंग की शर्ट और काले रंग की पैंट पहन रखी थी तथा उसके बैग में बड़ी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक संजय अशोक एक्का के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और छुलहा रेलवे स्टेशन के आसपास घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुंलिए का व्यक्ति अनूपपुर-छुलहा मार्ग पर निर्माणाधीन सुनसान भवन के पास दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और ट्रॉली बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग में रखे छह पैकेटों से कुल 6 किलो 355 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 60 हजार 300 रुपये आंकी गई है। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से लगभग 15 हजार रुपये कीमत का वीवो कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मदन महानंदिya (33 वर्ष), पिता केदार महानंदिya, निवासी ग्राम बीजायपूर, पोस्ट ब्रह्मनीपाली, थाना बौध, जिला बौध (उड़ीसा) बताया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 451/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी उड़ीसा से गांजे की खेप लेकर अनूपपुर पहुंचा था। अब यह जांच की जा रही है कि जिले में उसका संपर्क किन लोगों से था, गांजा किसे सप्लाई किया जाना था और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका है। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपी से पूछताछ में नशे के नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुरांग मिल सकतें हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय अशोक एक्का के नेतृत्व में उपनिरीक्षक कोमल अर प्रकाश तिवारी, चालक प्रधान आरक्षक खेमराज, आरक्षक अब्दुल कलीम तथा अनूप पुषाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देशभर में 3,000 रुपये प्रतिमाह जन पेंशन योजना लागू करने की मांग

समाजसेवी ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को मेजा आवेदन

अनूपपुर। जिले के जैतहरी नगर परिषद के वार्ड क्रमांक-11 निवासी शिक्षाविद एवं समाजसेवी जितेंद्र सिंह ने देश के गरीब, असहाय और अत्यंत जरूरतमंद नागरिकों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए केंद्र सरकार से देशव्यापी अति आवश्यक जन पेंशन योजना लागू करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने 4 अगस्त को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो पृष्ठों का आवेदन प्रेषित कर प्रत्येक पात्र जरूरतमंद नागरिक को प्रतिमाह 3,000 रुपये पेंशन प्रदान करने का आग्रह किया है। अपने आवेदन में जितेंद्र सिंह ने कहा है कि वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे गरीब और असहाय लोग हैं जो किसी भी योजना का लाभ नहीं ले



अभियान चलाकर व्यापक सर्वे कराए और वास्तविक जरूरतमंद लोगों की पहचान सुनिश्चित करें। इस योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन, विधवा एवं परिव्रयता महिलाएं, वृद्ध एवं असहाय

पा रहे हैं। वहीं जिन लोगों को पेंशन मिल भी रही है, उन्हें लगभग 600 रुपये प्रतिमाह जैसी अल्प राशि प्राप्त होती है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में समानजनक जीवन-यापन के लिए पर्याप्त नहीं है। उनका कहना है कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए जरूरतमंद नागरिकों को अधिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया है कि केंद्र सरकार देशभर में विशेष

व्यक्ति, बेसहारा अनाथ बच्चे, निराश्रित माता-पिता तथा अत्यंत गरीब और लाचार नागरिकों को शामिल किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे। समाजसेवी जितेंद्र सिंह ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि गरीबी, दिव्यांगता, विधवापन या लाचारी किसी जाति, वर्ग अथवा धर्म विशेष तक सीमित नहीं होती। इसलिए उन्होंने पेंशन योजना के लिए बीपीएल कार्ड एवं जातिगत पात्रता जैसी शर्तों को समाप्त करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि सहायता का आधार केवल व्यक्ति की वास्तविक आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति होनी चाहिए, न कि उसकी जाति या अन्य औपचारिक पात्रताएं। आवेदन के अंत में जितेंद्र सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि केंद्र सरकार देश के गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी इस मांग पर सकारात्मक विचार करेंगी तथा प्रभावी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगी।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्यों को मिलेगा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार वेतनमान

अनूपपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों के सदस्यों के वेतन एवं सेवा शर्तों से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब तक सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में संशोधन अथवा उसे निरस्त नहीं किया जाता, तब तक उसका पालन प्रत्येक राज्य सरकार के लिए अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने 19 मई 2025 को उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग के सदस्यों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित मामले में निर्णय देते हुए देशभर के जिला उपभोक्ता आयोगों के सदस्यों को 20

जुलाई 2020 से जिला न्यायाधीश के प्रारंभिक स्तर के समकक्ष चयन श्रेणी का वेतनमान एवं भत्ते देने के निर्देश दिए थे। साथ ही छह माह के भीतर समस्त बकाया राशि का भुगतान करने का भी आदेश दिया था। इसी आदेश के पालन को जिला उपभोक्ता आयोग की प्रभारी अध्यक्ष अंजलि चतुर्वेदी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर 16 जून 2026 को न्यायालय ने राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अक्षरशः पालन करने का निर्देश

दिया। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के रायसेन जिला उपभोक्ता आयोग में पदस्थ सदस्य अरुण प्रताप सिंह ने अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे के माध्यम से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर में याचिका प्रस्तुत कर समान लाभ दिए जाने की मांग की। सुनवाई के उपरांत हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप संशोधित वेतनमान, भत्ते तथा अन्य

देय लाभ प्रदान करने के आदेश जारी किए। याचिका में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आयोग के सदस्यों को संशोधित वेतनमान, भत्तों एवं बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इस पर हाईकोर्ट ने दोहराया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना राज्य सरकार का संवैधानिक दायित्व है। जब तक उक्त आदेश प्रभावी है, तब तक उसका पालन करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय के बाद मध्यप्रदेश के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों में कार्यरत सदस्यों को लंबे समय से लंबित संशोधित वेतनमान तथा बकाया राशि के भुगतान का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई जा रही है।

होटल अमरकंटक इन सहित कई निर्माणों की जांच की मांग

अमरकंटक में निर्माण कार्यों पर उठे सवाल

निर्माण पर प्रतिबंध के बावजूद जारी बताए जा रहे कार्य



अमरकंटक। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में निर्माण गतिविधियों को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। होटल अमरकंटक इन के निर्माण एवं विस्तार कार्य के साथ-साथ नगर क्षेत्र में अन्य निर्माण कार्यों पर भी सवाल उठने लगे हैं। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के पुष्पराजगढ़ विधानसभा अध्यक्ष हितेश तंबोली (बिरु) ने नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि होटल अमरकंटक इन द्वारा लीज पर प्राप्त भूमि पर निर्माण एवं विस्तार कार्य किया जा रहा है, जबकि

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि संबंधित भूमि की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि निर्माण कार्य किस वैधानिक आधार पर कराया जा रहा है। युवा कांग्रेस ने नगर परिषद से मांग की है कि संबंधित भूमि की लीज की वर्तमान स्थिति, उसकी वैधता और अवधि का अभिलेखों के आधार पर सत्यापन कराया जाए। साथ ही भवन निर्माण की स्वीकृति, स्वीकृत मानचित्र, निर्माण अनुमति तथा अन्य आवश्यक वैधानिक दस्तावेजों की भी जांच की जाए। हितेश तंबोली ने अपने ज्ञापन में यह भी कहा है कि अमरकंटक क्षेत्र में वर्तमान में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध होने के बावजूद कई स्थानों पर निर्माण



कार्य जारी बताए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि यदि प्रतिबंध प्रभावी है तो फिर विभिन्न स्थानों पर निर्माण गतिविधियां किसके आदेश और किस अनुमति से संचालित हो रही हैं। उन्होंने मांग की कि केवल एक निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि प्रतिबंध अवधि में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की समान रूप से जांच कराई जाए, ताकि किसी भी प्रकार के पक्षपात की आशंका न रहे। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच के दौरान बिना अनुमति निर्माण, नियमों का उल्लंघन अथवा अन्य किसी प्रकार की अनियमितता सामने



आती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, जिससे आम नागरिकों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके। हितेश तंबोली का कहना है कि अमरकंटक देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में शामिल है। ऐसे क्षेत्र में भूमि उपयोग, भवन निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए। यदि प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य हो रहे हैं तो यह प्रशासनिक व्यवस्था और नियमों के पालन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि जनहित, पारदर्शिता

और कानून के समान अनुपालन के लिए सभी निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। ज्ञापन के बाद नगर परिषद स्तर पर मामले की चर्चा तेज हो गई है। अब स्थानीय नागरिकों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। लोगों का मानना है कि यदि निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लागू है तो उसका पालन सभी के लिए समान रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वहीं यदि किसी निर्माण को वैधानिक अनुमति प्राप्त है तो उसकी स्थिति भी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि सभी तरह की आशंकाओं और चर्चाओं पर विराम लग सके।



अतिक्रमण पर चला बुलडोजर अवेध कब्जाधारियों में मचा हड़कंप

नगर परिषद जैतहरी ने वार्ड 10 और 14 की शासकीय भूमि कराई कब्जामुक्त

अनूपपुर। नगर परिषद जैतहरी ने शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर लगातार बढ़ रहे अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को वार्ड क्रमांक 10 एवं 14 में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण



हटाने की कार्रवाई की। मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह के निदेशन में नगर परिषद का अमला सुबह से ही कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचा। चिन्हित शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को बुलडोजर और अन्य संसाधनों की सहायता से हटाकर भूमि को पुनः कब्जामुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा रही, जबकि अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। नगर परिषद की टीम ने कार्रवाई शुरू करने से पहले संबंधित स्थानों का निरीक्षण किया और राजस्व अभिलेखों के आधार पर शासकीय भूमि का सीमांकन सुनिश्चित किया। इसके बाद अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध रूप से किए गए निर्माण, अस्थायी ढांचे, टीन शेड, बाड़बंदी तथा अन्य कब्जों को हटाने की कार्रवाई की गई। पूरी कार्रवाई नियमानुसार संपन्न कराई गई, जिससे किसी प्रकार की अग्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। इस अभियान में उपयंत्री कुलदीप नारायण मिश्रा, निर्माण प्रभारी अमितेश तिवारी, राजस्व प्रभारी विकास त्रिपाठी, स्वच्छता प्रभारी संजीव राठौड़ सहित नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को समझाझर देते हुए कहा कि शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कानूनन अपराध है

और भविष्य में ऐसे मामलों में बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जाएगी।

नगर परिषद प्रशासन के अनुसार शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के कारण कई विकास कार्य प्रभावित होते हैं। सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, पेयजल पाइपलाइन, सार्वजनिक भवन, उद्यान और अन्य जनहित की योजनाओं के लिए सुरक्षित भूमि पर कब्जा होने से नगर के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इसी कारण प्रशासन द्वारा समय-समय पर अतिक्रमण चिन्हित कर उन्हें हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में शासकीय भूमि की नियमित निगरानी की जा रही है। जहां भी अवैध कब्जे की शिकायतें प्राप्त होंगी या जांच में अतिक्रमण पाया जाएगा, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वार्ड क्रमांक 10 एवं 14 में हुई कार्रवाई इसी सतत अभियान का हिस्सा है। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद की टीम ने संबंधित लोगों को यह भी चेतावनी दी कि यदि दोबारा शासकीय भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि नगर को सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

सावन के प्रथम सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब



राजनगर। सावन मास के प्रथम सोमवार को नगर परिषद बनगवां (राजनगर) सहित आसपास के क्षेत्रों में भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह ब्रह्ममहूर्त से ही श्रद्धालु स्नान-ध्यान कर पूजा की थाली लेकर शिवालयों की ओर निकल पड़े। दिम्भर मंदिरों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और विधि-विधान से पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। महिला, पुरुष, युवा, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में भगवान शिव के दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचे, जिससे पूरे दिन शिवालय भक्तों से गुलजार रहे। राजनगर के प्राचीन जोड़ा तालाब स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। यहां भक्तों ने शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा, पुष्प एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके अलावा शांतिनगर शिव मंदिर, थाना के पास स्थित न्यू राजनगर शिव मंदिर तथा गेस्ट हाउस के सामने स्थित शिव मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। राजनगर के साथ-साथ डोला, रामनगर, सेमरा, आमाडांड, बतराई सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और घंटों की गूंज से पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। चारों ओर हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयघोष सुनाई देते रहे। शिवालयों में भक्ति गीत और शिव भजनों की मधुर प्रस्तुति से श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

नाम सुधार सूचना

मैं राजेन्द्र कुमार गुप्ता पिता कोदराल गुप्ता आयु 52 वर्ष निवासी वार्ड नं.3 कदमटोला मेन रोड पयारी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.) का होकर शायब पूर्वक कथन करता हूँ- मेरी पुत्री की एक बीमा पॉलिसी भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कोतमा में दिनांक 28.08.2013 को कराची गयी थी जिसका पॉलिसी क्रमांक 207181702 है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम कुमुकुम गुप्ता दर्ज हो गया था जो उसका धर्मलू नाम है। मेरी पुत्री का आधार कार्ड नं. 4751 9810 9647 है जिसमें उसका नाम महिला गुप्ता दर्ज है जो उसका वास्तविक व सही नाम है। यह कि मैं भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कोतमा में संवर्धित मेरी पुत्री के बीमा पॉलिसी क्र. 207181702 में उसका धर्मलू नाम कुमुकुम गुप्ता को विलीनित करवाकर उसका सही नाम महिला गुप्ता दर्ज कराना चाहता हूँ। जिस वाक्य यह शायब व निष्पार्शित करा रहा हूँ।

दिनांक : 05.06.2026

स्थान- कोतमा

शपथकर्ता

